खान श्रमिकों के लाभ के लिए योजना

4531. श्री सुभाष आहूजा : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में खान श्रमिकों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) क्या इन श्रमिकों के लाभ के लिए कोई विशेष योजना सरकार के विचाराधीन है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : (क) वर्ष 1976 में खानों में नियोजित व्यक्तियों की औसत दैनिक संख्या 7, 62, 616 थी।

(ख) और (ग). कोयला, अभ्रक, चूनापत्थर और डोलोमाइट तथा लोहा अयस्क खानों से सम्बन्धित श्रमिकों के लाभ के लिए विशेष कल्याण निधि पहले से ही बनाई गई है। इन निधियों का प्रयोग इन खानों के श्रमिकों की चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधा, आवास, पीने के पानी की सप्लाई, मनोरंजन तथा अन्य सामान्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए किया जाता है। इन योजनाओं को शीघ्र ही मैंगनीज अयस्क खानों के श्रमिकों पर भी लागू किया जायेगा।

मजदूरों की बस्तियों में डाकघर

4532. श्री सुभाष आहूजा : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष में उन बस्तियों में नये डाकघर खोलने की सरकार की कोई योजना है जहां अधिकांश रूप से मजदूर रहते हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) और (ख). जी हां। जिन गन्दी बस्तियों/कालोनियों में अधिकांश रूप से मजदूर रहते हैं और जहां परिवाल कम होने के कारण या स्थान उपलब्ध न होने के कारण डाकघर नहीं खोला जा सकता उनमें "पैडल डाकघर" (जिसे 'साइकल शाखा-डाकघर' या 'चलता फिरता डाकघर' भी कहा जाता है) के जरिये डाक काउंटर सुविधा प्रदान करने की योजना पहले से ही बनाई हुई है। शहरी इलाकों में डाकघर खोलने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। ऐसे इलाकों में जब कभी भी और जहां भी विभागीय मानदंडों के अनुसार इनका औचित्य सिद्ध होता हो, डाकघर खोल दिए जाते हैं।

अप्रैल, 77 से जून, 78 तक मंत्रियों के टेलीफोन बिल

4533. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री वीरेन्द्र प्रसाद :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि प्रधान मंत्री सहित केबिनेट मंत्रियों और राज्य मंत्रियों में ऐसे मंत्रियों के नाम क्या हैं जिनके टेलीफोन बिलों की राशि अप्रैल, 1977 से 30 जून, 1978 तक सबसे अधिक थी और इस बारे में प्रत्येक मंत्री की टेलीफोन बिलों की राशि का ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : जून 1978 के बिल अभी जारी नहीं किये गए हैं। इसलिए वांछित पूरी सूचना उपलब्ध नहीं है। सूचना के उपलब्ध होते ही इसे सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

Racket in Travel Business

4534. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF:
SHRI DURGA CHAND:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Australian High Commissioner in New Delhi has drawn the attention of his Ministry to a well organised racket in travel business which was mainly concentrated in Punjab;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the action taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SAMARENDRA KUNDU): (a) No Sir. However, Government have seen reports which appeared recently in the press on the unauthorised activities of travel agents in Punjab assisting emigration of job seekers to Australia. Some further details were also made available to the Ministry by an official of the Australian High Commission who had visited Punjab.